(c) the number of animals died due to the diseases during the last one year; and

(d) the action taken by Government to ensure proper medical treatment and health care of the suffering animals and for professional management of zoos where it is lacking?

THE MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS (PROF. SAIFUDDIN SOZ): (a) and (b) Zoo animals can not be screened for various diseases without being tranquillized which involves serious risk. Therefore, the zoo animals invariably are treated when the symptoms of any disease are clearly manifested. The post-mortem report and the treatment register of the zoo indicate that the common diseases from which animals suffers are respiratory diseases including tuberculosis, pleurisy and pneumonia, hepatitis, gastroenteritis, septicaemia etc.

(c) According to the report received in Central Zoo Authority, animals that have died during the year 1995-96 are 1131.

(d) Following steps are taken to ensure proper medical treatment and health care of animals and for professional management of zoos.

(i) Financial assistance has been provided for upgradation of the health care facilities and hygenic supply of water and food to the zoo animals.

(ii) The State Government have been requested to appoint wholetime veterinary officers in major zoos of the country.

(iii) A Nine months diploma course has been organised with the help of Indian Vcrterinary Research Institute, Izzatnagar, for the wildlife zoo veterinarians.

(iv) Experienced zoo veterianarian are sent for a capsule course on breeding and conservation of endangered species at Jersey Wildlife Preservation Trust, U.K.

(v) 3 days workshop was organised at Izzatnagar to provide zoo veterinarians an exposure to modern methods of disease diagnosis.

(vi) Training courses for zoo keepers, zoo supervisors and zoo

उतर प्रदेश में पक्षी विहार

770. **श्री रामगोपाल यादव** : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि उतर प्रदेश में कुल कितने पक्षी विहार है और प्रत्येक पक्षी विहार में कौन-कौन से किस्म के पक्षी है तथा उनके संरक्षण के लिए किए जाने वाले उपायों का ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्री (प्रो. सैफुददीन सोज) : उतर प्रदेश में कुल 12 पक्षी अभयारण है जिनके नाम: उन्नाव में नवाबगंज, रायबरेली में समसपुर फरुखाबाद में लाख-बहोसी, गाजिबाद में ओखला, बस्ती में बखीरा ताल, हरदोई में सन्दी, गोंडा में पार्वती आरंगा, इटावा में पटना, मैंनपुरी में समन, हमीरपुर में विजय सागर, आगरा में सुसरोवर और बलिया जिले में सुराहाताल।

इन पक्षी अभाराण्यों मे रह्ने वाली मुख्य प्रजातियो मे शामिल है लकलक्र बुज्जा र्डाटरस जलकाग सारस पिनताइलस तिदभी जलसिहं पोचार्डस चैती ब्राहिम्नी बतखे बार हैडिड ग़ीत गिद चीले ग रूड आदि

इन पक्षी अभाराण्यों के संरक्षण के लिए निमलिखित उपाप किए जा रहे है:

1.वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1992 के तहत इन पक्षियों और उनके वास स्थलों को पूरी कानूनी सुरक्षा दी गई है।

2. अवैध रुप से शिकार और उनके वास-स्थलों के विनाश पर नियंत्रण करने के लिए सुरक्षा उपाय किए गए है?

3.भूमि और जलीय वनस्पति के प्रबंधन के माध्यम से वास-स्थल उपलब्ध कराने के लिए जल के स्तर को नियमित और बनाए रखा जाता है।

4. आवासी और प्रवासी पक्षियो को उचित वास स्थल उपल्बध कराने के लिए जल के स्तर को नियमित और बनाए रखा जाता है .